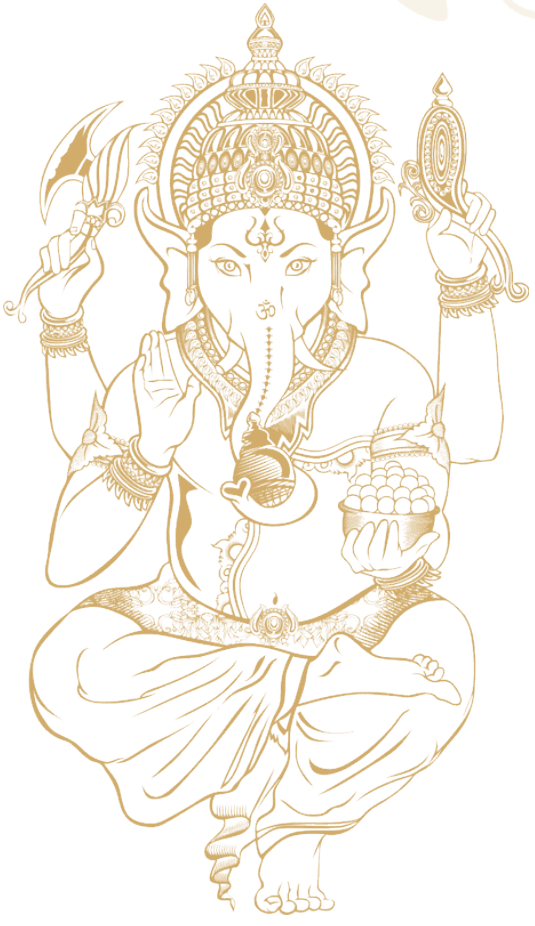

Mr.

27 May 1987

11:30 AM

Bilaigarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 121076602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**27/05/1987**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**11:30:01 घंटे**
इष्ट	15:32:43 घटी
स्थान	**Bilaigarh**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	21:37:00 उत्तर
रेखांश	82:47:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:01:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:31:09 घंटे
वेलान्तर	00:02:59 घंटे
साम्पातिक काल	03:48:13 घंटे
सूर्योदय	05:16:55 घंटे
सूर्यास्त	18:35:10 घंटे
दिनमान	13:18:15 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	11:45:37 वृष
लग्न के अंश	05:56:02 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**वृष - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**कृतिका - 4**
नक्षत्र स्वामी	सूर्य
योग	अतिगण्ड
करण	नाग
गण	राक्षस
योनि	मेष
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	गरूड़
युँजा	पूर्व
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ए-एकलव्य
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	05:56:02	327:50:18	मघा	2	10	सूर्य	केतु	राहु	---
सूर्य			वृष	11:45:37	00:57:37	रोहिणी	1	4	शुक्र	चंद्र	मंगल	शत्रु राशि
चंद्र			वृष	07:23:34	12:21:25	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	मूलत्रिकोण
मंगल			मिथु	10:18:03	00:38:57	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	गुरु	शत्रु राशि
बुध			मिथु	01:53:53	01:35:05	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	केतु	स्वराशि
गुरु			मीन	26:09:52	00:12:10	रेवती	3	27	गुरु	बुध	गुरु	स्वराशि
शुक्र			मेष	18:08:32	01:12:47	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	सम राशि
शनि	व		वृश्चि	25:08:15	00:04:15	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	16:30:00	00:08:52	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	सम राशि
केतु	व		कन्या	16:30:00	00:08:52	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
हर्ष	व		धनु	01:51:22	00:02:15	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
नेप	व		धनु	13:45:56	00:01:18	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	---
प्लूटो	व		तुला	14:09:29	00:01:27	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
दशम भाव			वृष	05:34:59	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:40:48

लग्न-चलित

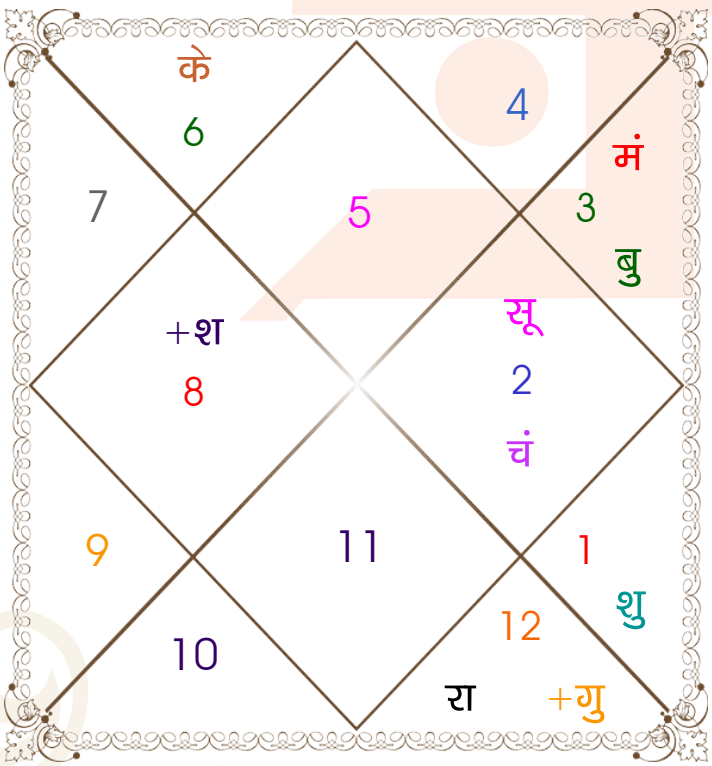

चन्द्र कुंडली

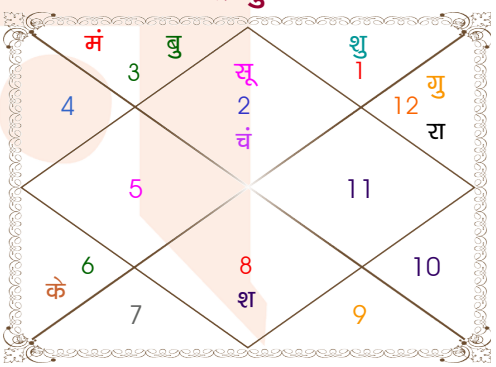

नवमांश कुंडली

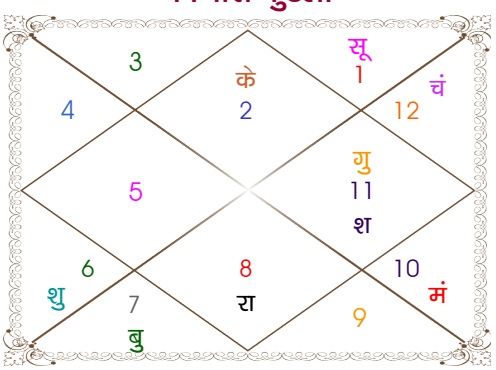

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : सूर्य 1 वर्ष 2 मास 2 दिन

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
27/05/1987		29/07/1988		29/07/1998		29/07/2005		29/07/2023	
29/07/1988		29/07/1998		29/07/2005		29/07/2023		29/07/2039	
	00/00/0000	चंद्र	29/05/1989	मंगल	25/12/1998	राहु	10/04/2008	गुरु	15/09/2025
	00/00/0000	मंगल	28/12/1989	राहु	13/01/2000	गुरु	04/09/2010	शनि	29/03/2028
	00/00/0000	राहु	29/06/1991	गुरु	19/12/2000	शनि	11/07/2013	बुध	05/07/2030
	00/00/0000	गुरु	28/10/1992	शनि	27/01/2002	बुध	28/01/2016	केतु	11/06/2031
	00/00/0000	शनि	29/05/1994	बुध	25/01/2003	केतु	14/02/2017	शुक्र	09/02/2034
	00/00/0000	बुध	29/10/1995	केतु	23/06/2003	शुक्र	15/02/2020	सूर्य	28/11/2034
	27/05/1987	केतु	29/05/1996	शुक्र	22/08/2004	सूर्य	09/01/2021	चंद्र	29/03/2036
केतु	29/07/1987	शुक्र	27/01/1998	सूर्य	28/12/2004	चंद्र	11/07/2022	मंगल	05/03/2037
शुक्र	29/07/1988	सूर्य	29/07/1998	चंद्र	29/07/2005	मंगल	29/07/2023	राहु	29/07/2039

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
29/07/2039		29/07/2058		29/07/2075		29/07/2082		30/07/2102	
29/07/2058		29/07/2075		29/07/2082		30/07/2102		00/00/0000	
शनि	01/08/2042	बुध	25/12/2060	केतु	25/12/2075	शुक्र	28/11/2085	सूर्य	17/11/2102
बुध	10/04/2045	केतु	22/12/2061	शुक्र	24/02/2077	सूर्य	28/11/2086	चंद्र	18/05/2103
केतु	20/05/2046	शुक्र	22/10/2064	सूर्य	01/07/2077	चंद्र	29/07/2088	मंगल	23/09/2103
शुक्र	20/07/2049	सूर्य	28/08/2065	चंद्र	30/01/2078	मंगल	28/09/2089	राहु	17/08/2104
सूर्य	02/07/2050	चंद्र	28/01/2067	मंगल	29/06/2078	राहु	27/09/2092	गुरु	05/06/2105
चंद्र	31/01/2052	मंगल	25/01/2068	राहु	17/07/2079	गुरु	29/05/2095	शनि	18/05/2106
मंगल	11/03/2053	राहु	13/08/2070	गुरु	22/06/2080	शनि	29/07/2098	बुध	24/03/2107
राहु	16/01/2056	गुरु	18/11/2072	शनि	01/08/2081	बुध	30/05/2101	केतु	28/05/2107
गुरु	29/07/2058	शनि	29/07/2075	बुध	29/07/2082	केतु	30/07/2102		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल सूर्य 1 वर्ष 2 मा 5 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के द्वितीय चरण में सिंह लग्न में हुआ था। लग्नोदय के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर वृष राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। इनके प्रभाव से यह स्पष्टत सूचना मिलती है कि आप पूर्ण रूपेण सुन्दर एवं आरामदायक उत्तम जीवन व्यतीत करेंगे। जीवन क्रम में कोई गम्भीर चिन्तनीय समस्याएं उत्पन्न नहीं होगी।

आप सिंह राशीय समन्वय की परिधि में आपका समय कोलाहलपूर्ण रहेगा। आप अन्तरात्मा से साहसिक प्रवृति के प्राणी है। आपको अपनी गतिशीलता से अप्रसन्नता प्राप्ति होती है। यदि आप निर्भयता पूर्वक सच्ची लग्न से व्यवसायिक कार्य प्रारम्भ करें तो आपको उत्तम एवं सन्तोषजनक फल प्राप्त होंगे। परन्तु आपके प्रभावशाली कार्य कलाप के सम्पादन पर आपके लाभ का अधिकांश भाग किसी भी परिस्थिति में व्यय करेंगे। आप चाहते है कि आपके परिवार के लोगों का पहनावा वस्त्रादि उत्तम रहें तथा आप इन वस्तुओं पर अच्छा धन व्यय करें। जिससे आपके घरेलू रहन सहन प्रभावशाली दिखाई दे। आप अपने मित्र मण्डली के आमोद-प्रमोद एवं मिलन समारोह पर भी खूब व्यय करेंगे। आप सर्वथा धार्मिक आयोजनों पर तथा दान धर्म के कार्यो में अत्यन्त धन प्रदान करेंगे। परिणाम स्वरूप आप वृद्धावस्था में यह अनुभव करेंगे कि पूर्व में किया गया धन व्यय के कारण इस समय धन का बड़ा अभाव हुआ है। अतः इस प्रकार से अति मात्रा में धन व्यय पर नियंत्रण करें। अतः उत्तम तो यह है कि आप अपने धन की थैली का मुंह इस प्रकार नहीं खोले। मुख्यतः आपके जीवन का भाग्यशाली समय आपके 25 वर्ष की आयु से प्रारम्भ होगा।

आपको आत्म विश्वास है कि मैं धनी तथा सर्व विद्या से परिपूर्ण हूँ। आप का व्यवहार बहुत अन्धाधुंध अर्थात् दुःसाहसपूर्ण है। आप अन्य विकल्प के पूर्व अपने कार्य व्यवसाय के सम्बंध में शीघ्र निर्णय ले। अतः आपको व्यवसायिक विषयों पर अपने मित्रों तथा शुभ चिन्तकों द्वारा अच्छी परामर्श ग्रहण करने की शिक्षा प्राप्त करनी चाहिए। वास्तव में आपको अपने निर्णय पर किसी भी प्रकार का गम्भीरतापूर्वक सामंजस्य न करे। यदि आप अपनी मद्यपान करने की मनोवृति में बदलाव नहीं ला सके तो आपके जीवन में उच्चस्तरीय अभ्युदय युक्त विशेषतः अर्थहीन हो जाएगा।

यदि आप अपना पारिवारिक जीवन उत्तम प्रकार से व्यतीत करने के अभिलाषी हैं, तो आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृति को नियंत्रित करने की अभ्यास करनी चाहिए। यदि आप अकस्मात आपने पारिवारिक सदस्यों पर कोघ्र प्रदर्शन कर अनुपयुक्त मतान्तरिक व्यवहार करते रहे तो आपका प्रसन्नतम परिवारिक जीवन अस्त-व्यस्त हो सकता है। वास्तव में आप घरेलू जीवन का आनन्द प्राप्त कर सकते है। यथा आपकी पत्नी तथा आपकी प्यारी सन्तानें आपको हार्दिक स्नेह प्रदान कर सकते हैं बशर्ते कि आप भी उसके बदले में समान आदान प्रदान करते रहें। आपकी विपरीत योनि के प्रति जो प्रसिद्धि है, एक गम्भीर एवं चिन्तनीय है। जिस विषय पर आपको सतर्क रहना चाहिए। आपकी यह प्रवृति आपकी पत्नी को सशंकित करता है। आपको अपने जीवन संगिनी की आशंकों का विस्तारपूर्वक स्पष्टीकरण करना चाहिए। क्योंकि आप विपरीत योनि के सदस्यों द्वारा प्रसिद्ध एवं प्रभावशाली है। इसका यह अर्थ नहीं कि आप अपने

जीवन संगिनी के प्रति विश्वघात करेंगे।

आपके जन्म प्रभाव से यह स्पष्ट है कि आप मुख्यतः एवं बृहत्कार कार्य कलाप करने की मनोवृति से युक्त हैं। आप अपने अधिनस्थ छोटे-छोटे कार्यों को कार्यान्वित नहीं करना चाहते हैं। आप स्थायी रूप से निगम (कारपोरेशन), कम्पनी तथा भूमि भवन-सम्बंधी कार्य बिन्दु को व्यवहृत करने के प्रति उपयुक्त है।

आप निश्चित रूप से सामान्यतया पूर्ण स्वस्थ रहेंगे। परन्तु आपको वृद्धावस्था के प्रति सावधानी बरतनी होगी क्योंकि ऐसा अवसर आ सकता है कि आपके रीढ़ की हड्डियों की परेशानी तथा हृदय सम्बंधी रोग से ग्रसित हो जाएं। आपको शराब पीने की आदत एवं अतिरिक्त भोजन करने की आदतों को त्यागना वृद्धावस्था के लिए सहायक एवं अनुकूल होगा।

आपके लिए रंग लाल, हरा एवं नारंगी रंग के वस्त्रों का उपयोग अनुकूल है। रंग काला एवं सफेद रंगों का परित्याग करना श्रेयष्कर है। आपके अनुकूल अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक है। आपके लिए अंक 2, 7 एवं 8 अंक त्याज्य है।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।